BSES

बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए बीएसईएस ने नेटवर्क क्षमता में की 600 एमवीए की बढ़ोतरी

बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए बीएसईएस ने लगाए 670 नए ट्रांसफॉर्मर, बिछाईं 400 किलोमीटर लंबी केबलें

नई दिल्ली: 15 जून, 2017। बीएसईएस ने पिछले एक साल के दौरान बिजली वितरण नेटवर्क की क्षमता में 600 एमवीए की बढ़ोतरी की है। बिजली के ग्रिडों, तारों, खंभों, पैनलों और फीडरों के अलावा 670 नए ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को पहले के मुकाबले बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। नेटवर्क को सशक्त बनाने के लिए 400 किलोमीटर लंबाई वाली अतिरिक्त केबलें भी लगाई गई हैं। गौरतलब है कि एक साल के दौरान बीएसईएस ने नेटवर्क के सशक्तिकरण और विस्तार पर 700 करोड़ रूपये का निवेश किया है।

इसके अलावा, बीएसईएस बिजली उत्पादन कंपनियों और दिल्ली ट्रांसको के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि बिजली के उत्पादन से लेकर ट्रांसमिशन और वितरण तक का पूरा का पूरा सिस्टम एक लय में काम करे और गर्मियों के पीक लोड को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

950 वर्ग किलोमीटर में फैली, बीएसईएस दक्षिण, पश्चिम, मध्य और पूर्वी दिल्ली के लगभग 40 लाख उपभोक्ताओं यानी दो–तिहाई दिल्ली को बिजली उपलब्ध कराती है।

नेटवर्क को सशक्त बनाने और पर्याप्त मात्रा में बिजली का इंतजाम करने के अलावा, बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और भी कई कदम उठाए हैं। वितरण नेटवर्क की मरम्मत व रख–रखाव का काम पूरा लिया गया है, तथा कॉल सेंटर की क्षमता में 200 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की गई है। सब–स्टेशनों पर लोड बैलेंसिंग की गई है और फील्ड में अतिरिक्त मैनपावर तैनात किया गया है। इसके अलावा, शिकायतों की मॉनिटरिंग के लिए पूर्ण समर्पित टीमों का गठन किया गया है, मोबाइल ट्रांसफॉर्मर तैयार हैं और आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए क्विक रेस्पॉन्स टीमों की तैनाती भी की गई है। शिकायतों के रिव्यू और उनके निपटरे के लिए चौबीसों घंटे काम करने वाला वॉर रूम भी तैयार किया गया है।

बीएसईएस उपभोक्ताओं के पास बिजली गुल की शिकायत दर्ज कराने के लिए कई विकल्प हैं। बीआरपीएल के चौबीसों घंटे काम करने वाले कॉल सेंटर का नंबर है 399 99 707– और बीवाईपीएल कॉल सेंटर का नंबर – 399 99 808 है। बीएसईएस मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिजली गुल की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

लेकिन, पूरी तैयारी के बावजूद कभी–कभार उपभोक्ताओं को बिजली की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसका एक बड़ा कारण है कि न्यूनतम तापमान लगातार अधिक रहने के कारण बिजली नेटवर्क को ठंडा होने का वक्त नहीं मिल पाता है, जिससे उस पर दबाव बढ़ता है और फॉल्ट्स आते हैं।

कई इलाकों, खासकर अनाधिकृत क्षेत्रों में जगह की कमी के चलते डिस्कॉम्स अपने नेटवर्क का जरूरी विस्तार नहीं कर पा रही हैं। ऐसे 600 इलाकों को चिह्नित किया गया था, जहां नेटवर्क विस्तार की तत्काल आवश्यकता थी। सरकारी एजेंसियों और निवासियों के सहयोग से ऐसे 200 स्थानों पर, जगह की समस्या का समाधान होने के बाद वहां नेटवर्क का विस्तार कर दिया गया है। लेकिन अभी भी 400 ऐसे स्थानों पर नेटवर्क का विस्तार होना बाकी है।

बिजली की अत्यधिक चोरी वाले इलाकों में बिजली की मांग में अप्रत्याशित ढंग से बढ़ोतरी हुई है, जिससे बिजली वितरण नेटवर्क में ट्रिपिंग होती है और बिजली वितरण से जुड़े उपकरण जल भी जाते हैं। अनाधिकृत कॉलोनियों में होने वाली बिजली की चोरी के कारण आसपास की कॉलोनियों के उपभोक्ताओं की बिजली भी प्रभावित होती है।

प्रमुख बिजली वितरण कंवनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।